खेल हमें जीवन में अनुशासन व निरंतर प्रयास की सीख देते हैं

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित, सिवनी स्पोर्ट्स लीग का आयोजन कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जायेगा : कलेक्टर

सिवनी नवभारत। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सिवनी के ऑडिटोरियम हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री दिनेश राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने की। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डहेरिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन तथा मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम में शूटिंग प्रतियोगिता में एशियन गेम्स में रजत तथा जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में रजत पदक अर्जित करने वाले जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी हेमंत बर्मन का अतिथियों में शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। श्री बर्मन ने अपने खेल जीवन की उपलब्धियों और संघर्ष के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम कोदाझिरी में शिक्षा के साथ खेल अभ्यास करते हुए 15 वर्ष की आयु में खेल विभाग द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च में उनका चयन हुआ। इसके बाद भोपाल स्थित शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। निरंतर अभ्यास और बेहतर प्रदर्शन के परिणामस्वरूप उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करना है।

विधायक दिनेश राय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। आवश्यकता है कि अपनी प्रतिभा को पहचानकर रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि पोलवॉल्ट में चयन होने के बावजूद आर्थिक कारणों से वे नेशनल यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो सके थे। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें आज भी याद है। इसी कारण वे चाहते हैं कि आर्थिक अभाव के कारण किसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी को खेल के अवसर से वंचित न होना पड़े। उन्होंने हेमंत बर्मन को बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं में आवश्यकता होने पर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रतिवर्ष सभी खेलों की संयुक्त रूप से इंडोर एवं आउटडोर 'सिवनी स्पोर्ट्स लीग' आयोजित की जाए। इसके लिए जिले के विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी की स्मृति में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। खेल हमें जीवन में अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास की सीख देते हैं। अनुशासित जीवन सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है। कार्यक्रम में हॉकी सिवनी के अध्यक्ष डी.एल. गौर ने जिले के हॉकी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने अपने विद्यार्थी जीवन के शतरंज एवं बैडमिंटन के अनुभव भी साझा किए तथा राष्ट्रीय किक-बॉक्सिंग खिलाड़ी अनुप्रिया कौरव को अपने खेल अनुभव साझा करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों, खेल के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि अर्जित करने वाले खिलाड़ियों, खेलों के प्रति समर्पित वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों तथा फुटबॉल स्टेडियम में संचालित पांच फिजिकल अकादमियों के संचालकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री अजय बाबा पाण्डे अध्यक्ष जनभागीदारी समिति पीजी कॉलेज, डॉ. सविता मसीह प्रभारी प्राचार्य, एम.के. नेमा, रघु ठाकुर सहित पीजी कॉलेज के प्राध्यापकगण, खेल विभाग के कर्मचारी, पालकगण, वरिष्ठ खिलाड़ी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संदीप मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन नारायण सिंह बिसेन ने किया।

विभिन्न खेलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है

विधायक श्री राय ने कहा कि पूर्व में विधानसभा स्तर पर क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाती थी। अब सिवनी स्पोर्ट्स लीग के माध्यम से चार-पांच खेलों में जिले स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न खेलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। हेमंत बर्मन ने छोटे से गांव से निकलकर अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से ही खेलों में सफलता प्राप्त की जा सकती है। खेल व्यक्ति को स्वस्थ रखने के साथ अनुशासन और समर्पण की भावना विकसित करते हैं।

टीईटी के खिलाफ दिल्ली कूच, छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने शिक्षकों को रोका

सिवनी नवभारत। जिले से टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे शिक्षकों को छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पर पुलिस द्वारा रोके जाने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली जा रहे शिक्षक साथियों को पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर रोक लिया, जबकि कुछ शिक्षकों को हिरासत में लिए जाने की भी बात सामने आई है।

टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षक संगठनों का आंदोलन अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनका उद्देश्य देश के करीब 25 लाख शिक्षकों की नौकरी और भविष्य की सुरक्षा तथा टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति के लिए भारत सरकार पर अध्यादेश लाने का दबाव बनाना है।आंदोलनकारियों ने देशभर के शिक्षकों से एकजुट होकर दिल्ली पहुंचने की अपील की है। दिल्ली में प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को सुबह 9 बजे तक केशवपुरम मेट्रो स्टेशन के पास जाट मित्र मंडल, केशवपुरम पहुंचने का आह्वान किया गया है। और संगठन की ओर से शिक्षकों से अपील की गई है कि यदि दिल्ली पहुंचने के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा कहीं रोका जाता है अथवा बस, ट्रेन या अन्य वाहन को रोका जाता है तो कानून अपने हाथ में न लें। जहां रोका जाए, वहीं शांतिपूर्वक बैठकर सत्याग्रह शुरू करने और अहिंसात्मक तरीके से विरोध दर्ज कराने की अपील की गई है।

आंदोलनकारियों ने कहा कि संघर्ष अहिंसा और संविधान की मर्यादा के भीतर किया जाएगा। सत्याग्रह के दौरान रघुपति राघव राजा राम का संकीर्तन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने की बात कही गई है। लेकिन छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पर शिक्षकों को रोके जाने की खबर के बाद आंदोलन को लेकर हलचल और बढ़ गई है। शिक्षक संगठनों ने कहा है कि वे शिक्षकों के सम्मान, नौकरी की सुरक्षा और टीईटी की अनिवार्यता के मुद्दे पर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे।

एक नजर में

बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति में प्रशासक नियुक्त

सिवनी। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, सिंदेरिया (मोहगांव) के निर्वाचित अशासकीय प्रशासक दिलीप राय द्वारा 25 अगस्त को अपने पद से स्वेच्छा से त्यागपत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला सिवनी द्वारा समिति के संचालन के लिए नए प्रशासक की नियुक्ति की गई है।

जारी आदेश के अनुसार समिति में खाद वितरण, कृषि ऋण वसूली, कर्मचारियों के वेतन-भत्ते तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित अन्य महत्वपूर्ण दैनिक कार्यों का सुचारू संचालन आवश्यक है। प्रशासक के त्यागपत्र के कारण समिति के कार्य प्रभावित न हों, इसे देखते हुए सहकारी संस्थाओं के उप अंकेक्षक डी.के. डहेरिया को समिति का प्रशासक नियुक्त किया गया है।आदेश में मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 49(7)(बी) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग किए जाने का उल्लेख है। नव नियुक्त प्रशासक डी.के. डहेरिया को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल प्रभाव से संस्था का संपूर्ण प्रभार निवर्तमान प्रशासक से प्राप्त कर कार्यभार ग्रहण करें तथा समिति के दैनिक एवं प्रशासनिक कार्यों का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करें। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, शाखा गोपालगंज, समिति प्रबंधक तथा निर्वाचन एवं विधि कक्ष को आवश्यक कार्रवाई एवं सूचना के लिए भेजी गई है। आदेश 25 अगस्त 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

पंचज की नि:शुल्क कोचिंग में जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक बकुल लाड ने दिया मार्गदर्शन

सिवनी नवभारत। प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोचिंग के लिए सिवनी में विगत 11 वर्षों से संचालित संस्था पंचज विकास परिषद सिवनी के नवीन बैच के शुभारम्भ के अवसर पर भोपाल से पधारे जन अभियान परिषद के कार्यपालन निदेशक बकुल लाड ने पहुंचकर अध्ययन की बारीकियों पर प्रकाश डाला , उन्होंने लक्ष्य निर्धारण की पद्धति के साथ तैयारी की स्मार्ट रूपरेखा बनाने के लिए अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया। सीमित किताबों का गूढता के साथ अध्ययन कर पुनरावलोकन करने का आग्रह अभ्यर्थियों से किया। इस अवसर पर इस निशुल्क कोचिंग के संस्थापक पीयूष दुबे ने विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान और समसामयिकी के अध्ययन की रणनीति समझाई, जबकि सह संस्थापक आतिफ खान ने गणित के पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया , वही प्रशिक्षक के रूप में निशुल्क सेवा दे रहे सत्यम यादव ने आगामी सभी व्यावसायिक परीक्षाओं के सिलेबस को अभ्यर्थियों के बीच में रखा , इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी , पंचज विकास परिषद के संस्थापक राहुल पाण्डे , सचिव अमित सोनी , कार्यक्रम संयोजक यक्ष आर्य, ओम दुबे , सहित 90 नवागत अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

लखनादौन जनपद में रौंदी राष्ट्रीय मर्यादा, सीईओ निलेश बर्मन के संरक्षण में लीपापोती की साजिश

सिवनी नवभारत। जनजातीय जननायकों के त्याग और बलिदान से सिंचित आदिवासी बाहुल्य लखनादौन की धरती पर प्रशासनिक गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा सामने आई है। ग्राम पंचायत बंधा (नागिनदेवरी) में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज को 24 घंटे से अधिक समय तक लावारिस हालत में छोड़ दिया गया। भारतीय ध्वज संहिता 2002 के भाग-II (खंड 2.2) के अनुसार खुले भवनों पर सूर्यास्त पूर्व ससम्मान ध्वज अवतरण अनिवार्य है। इस नियम का खुला उल्लंघन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 की धारा 2 के तहत संज्ञेय अपराध है, जिसमें 3 वर्ष तक के कारावास का स्पष्ट कानूनी प्रावधान है।

प्रकरण के 14 दिन बीत जाने के बाद भी दोषियों पर कोई वैधानिक कार्रवाई न होना जनपद पंचायत लखनादौन के शीर्ष नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जब मीडिया ने पुख्ता फोटो और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर जनपद ष्टश्वह्ल निलेश बर्मन से आधिकारिक पक्ष मांगा, तो वे लोकसेवक की मर्यादा भूलकर तीखे सवालों पर भड़क उठे। बैठक का बहाना बनाकर संवैधानिक जवाबदेही से भागना और सवालों को टालना यह दर्शाता है कि राष्ट्रध्वज के अपमान जैसे संवेदनशील विषय पर प्रशासनिक संरक्षण का खेल चल रहा है।

राष्ट्रीय अस्मिता के साथ किए गए इस खिलवाड़ पर क्षेत्र के ग्रामीणों और प्रबुद्ध नागरिकों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। मामले में उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है=

गैर-जमानती FIR: तिरंगे को लावारिस छोड़ने वाले पंचायत कर्मियों और प्रतिनिधियों पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत तत्काल आपराधिक मामला दर्ज हो। साक्ष्य दबाने और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले जनपद CEO निलेश बर्मन व जांच टीम के खिलाफ निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच बिठाई जाए। म.प्र. सिविल सेवा नियमों के तहत संलिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर बर्खास्त किया जाए।

फर्जी पंचनामा और साक्ष्य विलोपन का षड़यंत्र

जांच के नाम पर जांच अधिकारी APO महेंद्र लाड़िया और ADEO रूपक रहंगडाले द्वारा बंद कमरों में लीपापोती का दस्तावेज तैयार किया गया। साक्ष्य मौजूद होने के बावजूद आरोपियों को क्लीन चिट देने की यह कोशिश धारा 238/239 (IPC 201/218 - साक्ष्य छिपाना एवं गलत रिकॉर्ड बनाना) और धारा 61 (IPC 120 B - आपराधिक षड़यंत्र) के दायरे में आती है। दोषी सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक को बचाने के लिए रची गई यह पटकथा आदिवासी क्षेत्र के स्वाभिमान और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधा आघात है।

संत रविदास जयंती पर निकली कलश वंदन यात्रा का स्वागत

केवलारी नवभारत। समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कलश वंदन अभियान के तहत आज पावन कलश वंदन यात्रा का केवलारी आगमन हुआ। यात्रा का केवलारी के उगली नाका से चांदनी चौक तक नगरवासियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया।इस अवसर पर केवलारी के वरिष्ठ भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यात्रा में सहभागिता कर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी के चरणों में श्रद्धा अर्पित की तथा सामाजिक समरसता और एकता का संकल्प लिया।यात्रा में प्रमुख रूप से अनूप बघेल मंडल अध्यक्ष भाजपा केवलारी, शिव चौधरी नगर परिषद उपाध्यक्ष केवलारी जिला महामंत्री भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा सिवनी देवी सिंह बघेल, पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष सचिन अवधिया, बसंत चौधरी पूर्व सरपंच सुजान बघेल अरुण चौरसिया , पूर्व सरपंच डॉ. अविनाश तिवारी जिला संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ राकेश तिवारी, पूर्व सरपंच राकेश राजपूत, अधिवक्ता पवन यादव, प्रवीण दुबे अधिवक्ता, पार्थ तिवारी अधिवक्ता, पुरुषोत्तम बघेल पार्षद, नितिन बघेल पार्षद, ज्वाला सिंह बघेल, कृष्णा चंदेल एवं दलसिंग जंघेला, बब्बू जंघेला सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी का जीवन हमें समानता, भाईचारे, सामाजिक समरसता और मानवता का संदेश देता है। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में एकता एवं सद्भाव को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है।

सिवनी जिले के आलोक जायसवाल को मिली मानद डॉक्टरेट, शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में किया नाम रोशन

सिवनी नवभारत। शिक्षा, साहित्य और पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय, उत्कृष्ट एवं अविस्मरणीय योगदान के लिए सिवनी जिले के सुपुत्र डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया है। यह गौरवमयी सम्मान यूनाइटेड अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा संस्था की Evaluation Board एवं Board of Directors की अनुशंसा पर प्रदान किया गया है। 29 अगस्त को पुडुचेरी में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें Doctor (Honoris Causa) की मानद उपाधि से विभूषित किया गया।यह सम्मान उनके वर्षों के अथक परिश्रम, समर्पण, ज्ञान-साधना और समाज में शिक्षा के अलख जगाने के प्रति उनके अतुलनीय योगदान का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से सिवनी जिले का नाम पूरे भारतवर्ष में रोशन हुआ है, जिससे जिले के सभी नागरिक गौरवान्वित हुए हैं।

यह उपलब्धि न केवल आलोक जायसवाल जी के व्यक्तिगत जीवन की सफलता है, बल्कि यह पूरे सिवनी जिले के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का विषय है। शिक्षाविदों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री जायसवाल की यह सफलता युवा पीढ़ी को शिक्षा, साहित्य और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल ने कहा कि इस सम्मान का श्रेय वे अपने पूज्य माता-पिता, परिवारजनों, गुरुजनों, सहयोगियों एवं मार्गदर्शकों को देते हैं और भविष्य में भी वे शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. (ऑन.) आलोक जायसवाल नगर के प्रतिष्ठित बड़े मिशन स्कूल से सेवानिवृत्त संस्कृत शिक्षक श्याम सुंदर जायसवाल के सुपुत्र तथा नगर के वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता अनिरुद्ध जायसवाल के अनुज हैं।

बरघाट से 27 तीर्थयात्री मथुरा-वृंदावन रवाना होंगे, नगर परिषद ने दिए टिकट

बरघाट। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत सिवनी जिले को 196 यात्रियों का कोटा मिला है। इसके तहत मथुरा-वृंदावन की यात्रा 30 अगस्त से 02 सितंबर तक आयोजित की जा रही है। नगर परिषद बरघाट द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों से 27 यात्रियों का चयन किया गया है। चयनित यात्रियों को आज नगर परिषद कार्यालय में टिकट वितरण कर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति श्रीमती निधि ऋषभ जायसवाल, सभापति अभिलाष मालवी (गोलू), सभापति हेमंत राहंगडाले, सभापति असंत उइके, पार्षद जितेंद्र सिंगारे (पप्पू), सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व पार्षद अनिल पाठक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भरत गजबे सहित नगर परिषद का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

लापरवाही | प्रभावित गांवों में हजारों लोगों की स्वास्थ्य जांच और सैकड़ों मरीजों का उपचार किए जाने की जानकारी

बैगा अंचल में मौतों पर सरकार को घेरा, विकास खर्च का श्वेत पत्र जारी हो : फिरोज

सिवनी नवभारत। बालाघाट के बैगा संरक्षित अंचल में जलजनित बीमारी से दो दर्जन से अधिक मौतों ने सरकार की स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और जनकल्याण व्यवस्था की पोल खोल दी है। मौतों के बाद जागे प्रशासन द्वारा अब फॉगिंग, दवाइयां, स्वास्थ्य जांच और सफाई अभियान चलाकर अपनी नाकामी पर पर्दा डालने का सरकार की ओर से असफल प्रयास किया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे तब सरकारी मशीनरी कहां सो रही थी? यह बात कांग्रेस नेता फिरोज खान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही।

उन्होंने कहा कि मौतों के बाद फॉगिंग कराना और मरीजों की जांच करना सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस लापरवाही का प्रमाण है जिसके कारण हालात इतने भयावह हुए। फिरोज खान ने कहा कि बैगा जनजाति के विकास, संरक्षण, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, पोषण और शिक्षा के नाम पर वर्षों से भारी-भरकम बजट खर्च किया जा रहा है। इसके बावजूद यदि बैगा अंचल के लोग बीमारी और दूषित पानी के कारण दम तोड़ रहे हैं तो सरकार को अब भाषण नहीं, हिसाब देना होगा। उन्होंने मांग की कि पिछले 20 वर्षों में बैगा जनजाति के विकास और संरक्षण के नाम पर स्वीकृत एवं खर्च की गई प्रत्येक राशि का श्वेत पत्र सरकार तत्काल जारी करे। श्वेत पत्र में यह स्पष्ट किया जाए कि किस योजना में कितना पैसा आया, कितना खर्च हुआ, किस गांव में कितना काम हुआ और उसका वास्तविक लाभ कितने परिवारों को मिला। उन्होंने सवाल किया बैगा विकास के नाम पर पैसा कहां गया? यदि पैसा खर्च हुआ तो सुविधाएं कहां हैं? और यदि सुविधाएं नहीं पहुंचीं तो जिम्मेदार कौन है?

फिरोज खान ने कहा कि प्रभावित गांवों में हजारों लोगों की स्वास्थ्य जांच और सैकड़ों मरीजों का उपचार किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। यह आंकड़े स्वयं बताते हैं कि स्थिति कितनी गंभीर रही होगी। सरकार अब आंकड़ों की बाजीगरी छोड़कर यह बताए कि बीमारी इतनी विकराल होने से पहले निगरानी तंत्र ने क्या किया? उन्होंने कहा कि प्रत्येक मौत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह सार्वजनिक किया जाना चाहिए कि मौतें किन परिस्थितियों में हुईं। यदि दूषित पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक लापरवाही या किसी अन्य कारण की भूमिका सामने आती है तो जिम्मेदारी तय कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि बैगा आवास और विकास योजनाओं में पूर्व में सामने आए कथित भ्रष्टाचार के मामलों को भी सरकार गंभीरता से देखे। जिस जनजाति के नाम पर वर्षों से योजनाएं और बजट बनाए जा रहे हैं, उसी जनजाति के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं—यह सामान्य प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था पर गंभीर सवाल है।

उन्होंने मांग की कि बैगा अंचल में उच्चस्तरीय जांच, सुरक्षित पेयजल की स्थायी व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और बैगा विकास योजनाओं के खर्च का सामाजिक एवं वित्तीय ऑडिट कराया जाए। फिरोज खान ने कहा कि अब बैगा समाज को आश्वासन नहीं चाहिए—उसे जवाब चाहिए।

सरकार को बताना होगा कि बैगा विकास के नाम पर आया पैसा कहां खर्च हुआ और फिर भी बैगा परिवार बीमारी से क्यों मर रहे हैं। राहत कार्य चलते रहें।

जिम्मेदारों ने साधा मौन

उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो जांच से सच्चाई सामने आ सकती है। हर गांव का हिसाब हो, हर योजना का हिसाब हो और हर रुपये का हिसाब हो। फिरोज खान ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि दो दर्जन से अधिक मौतों को महज बीमारी का मामला बताकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। मौतें सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, वे व्यवस्था की विफलता का आईना हैं।

आवारा पशुओं से ग्रामीण परेशान, जनसुनवाई में दिया आवेदन

सिवनी नवभारत। नगर से लगे गांव लूघरवाडा के किसानों ने आज कलेक्टर को जनसुनवाई के माध्यम से शिकायत की है और कहा कि गांव में आए आवारा पशुओं और सुअरो की संख्या कम होने की बजाए लगातार बढ़ रही हैं। जिससे कि किसान अच्छे खासे परेशान हैं। सरकार भी इस ओर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा रही है। अगर यूं ही चलता रहा तो ये आवारा पशु और सुअर मिलकर किसान की खेती को बर्बाद कर देंगे। आवारा पशु और सुअर जिस भी खेत से गुजर जाते हैं उसी खेत को चट कर जाते हैं। किसान अपने खेतों की सुरक्षा पूरी रात जागकर करते हैं लेकिन फिर भी अपनी फसलों को बचाने में असमर्थ व लाचार हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जब तक गाय दुध देती है, तब तक उनको बांधे रखते हैं और बाद में जैसे ही दूध देना बंद कर देती हैं तो उसको गोशाला में छोडने की बजाए दर-दर भटकने के लिए छोड देते हैं। जो कि अत्यंत ही दुर्भाग्य पूर्ण बात है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वे हर गांव में एक बाडा बनाए और उसमें आवारा पशुओं का प्रबंध करे, ताकि कोई भी आवारा पशु बेसहारा ना रहे और किसान की फसल बर्बाद होने से बच जाए। गांव के अधिकांश किसानो की अजीवका का साधन कृषि ही पर निर्भर है जिससे किसान काफी चिंचित नजर आ रहे है। किसानों के द्वारा दो तीन बार आवारा पशुओं को गौशाला में छोडा गया किंतु वह दो दिन बाद ही लौट कर आ जाते है और फिर खेती की तरफ हमला बोले देते है गांव के किसानों ने शिकायत में यह भी कहा कि संबंधित अधिकारियों के द्वारा उनके खेतो का सर्वे कराकर प्रशासन से मुआवजा दिलाया जाये ताकि उनके नुकसान की भरपाई हो सके। और तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर उक्त मांगों का जल्द से जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सडकों पर उतरने को मजबूर हो जाऐंगे।